॥ श्रीः ॥

देवादिदेवमहादेवजी प्रणीत

योगिनीतन्त्र ।

मुरादाबादनिवासी पण्डित कन्हैयालालमिश्र
कृतभाषानुवादसहित ।

इसको

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदासने
अपने "लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापेखानेमें
छापकर प्रसिद्ध किया ।

सम्वत् २०१३, शके १८७८.

कल्याण-मुंबई.

श्रीः ।

योगिनीतंत्रकी अनुक्रमणिका ।

योगिनीतन्त्रके पूर्वखण्डकी अनुक्रमणिका समाप्त।

योगिनीतंत्रके उत्तर खंडकी अनुक्रमणिका।

योगिनीतंत्रकी अनुक्रमणिका।

योगिनीतंत्रके उत्तर खंडकी अनुक्रमणिका समाप्ता।